* R E - 0 1 1 2 / 4 6 0 0 *

RE-0112

Second Year B. A. Examination

April / May – 2010

Hindi : Paper - II

(हिन्दी नाट्यसाहित्य)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **S. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi - 2**

☛ Subject Code No. : **0 1 1 2** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं ।

(३) किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखें।

१ एक सफल नाटक के रूप में 'करफ्यू' नाटक का मूल्यांकन कीजिए। १४

अथवा

१ मनीषा का चरित्र–चित्रण कीजिए। १४

२ 'सीमा–रेखा' एकांकी की प्रमुख समस्याओं का निरूपण कीजिए। १४

अथवा

२ 'अधिकार का रक्षक' एकांकी के लेखक का दृष्टिकोण स्पष्ट करें। १४

३ 'कहीं कोई अदृश्य करफ्यू लगा है' – इस कथन के संदर्भ में 'गौतम'का व्यक्तित्व निरूपित करें। १४

अथवा

३ 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की सार्थकता सिद्ध कीजिए। १४

४ टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) 'करफ्यू' का रूपक

अथवा

'कविता' का पात्र

(ब) 'चारुमित्रा' का उद्देश्य

अथवा

'आखेट' की प्रतीकात्मकता

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(श) ''एक जाना–पहचाना चेहरा जब उकता देता है तो अनजाना चेहरा पहचाना लगने लगता है।''

अथवा

''स्त्री के सहज–असहज में फर्ककर पाना मुश्किल है।''

(ष) ''अहंकार और राज्य–धर्म में अन्तर है। राज्य–धर्म पाटलिपुत्र का अधिकार है और अहंकार अलिंग की वृत्ति है उसे अपनी सेना का अहंकार है''

अथवा

''लेकिन कभी–कभी लगता है, इन्हीं ध्वंस और विनाश की आवाजों में कहीं नये इंसान की आवाज का भी निर्माण हो रहा है।''

(स) ''सोचा था यहाँ से भागकर निकल जाऊँगी, लेकिन... बाहर भी जैसे इसी कमरे का विस्तार है। पूरा शहर जैसे यही कमरा है–''

अथवा

(इ) ''वर्ण बदलने से समस्या का समाधान नहीं है। समाधान तो वर्ण–भेद मिटाने में है। मेरे जन्म का रहस्य ही बना रहे।''